B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-I
Hindi (Honours)
Course : H-2 (Old)
(मध्यकालीन कविता भाग-1)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ मनि नाहीं विश्राम।।
यहु तन जालौं मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ।
लेखणिं करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ।

(ख) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै
जैसें उड़ि जहाज को पच्छी फिर जहाज पर आवै।
कमल -नैन कौं छाँड़ि महातम, और देव कौं ध्यावैं।
परम गंग कौं छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै।
जिहिं मधुकर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यौं करील-फल भावै।
सूरदास-प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावैं।।

(ग) सेवा अनुरूप फल देत भूप कूप ज्यौं
बिहूनेगुन-गुन पथिक पियासे जात पथ के।
लेखे जोखे चोखे चित 'तुलसी' स्वारथहित,
नीके देखे देवता देवैया घने गथ के।।
गीध मानो गुरु, कपि भालु मानो मीत कै,
पुनीन गीत साके सब साहेब समत्थ के।
और भूप परखि सुलाखि तौलि ताइ लेत,
लसम के खसम तुही पै दसरत्थ के।।

(घ) हरि म्हारा जीवण प्राण अधार।
और आसिरो णा म्हारा थें विण, तीनूँ लोक मँझार।
थें विण म्हाणे जग णा सुदावाँ, निरख्याँ सब संसार।
मीराँ रे प्रभु दासी रावलो, लीज्यो णेक णिहार।।

P.T.O.

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **दो** के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) निर्गुण भक्त कवियों में कबीर के काव्य का महत्त्व बताइए।

(ख) 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर तुलसीदास के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) मीराँ की भक्ति-भावना का महत्त्व निरूपित कीजिए।

(घ) पठित पदों के आधार पर सूरदास के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।